22-JAN-JSP-BHOOMI-pg-1_Layout 1 1/22/2024 8:44 PM Page 1

हरिभूमि
जशपुर-रायगढ़ भूमि
बिलासपुर, मंगलवार, 23 जनवरी 2024
पत्थलगांव | कुनकुरी | बगीचा | फरसाबहार | कांसाबेल | दुलदुला | मनोरा

आयोजन को सफल बनाने समर्पित रहे कार्यकर्ता

राममय हुआ शहर, हर तरफ जय श्री राम की गूंज

जशपुरनगर। अयोध्या में भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव था,लेकिन यहां पूरा नगर राममय हो गया। ऐसा लग रहा था मानो भगवान श्रीराम के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव शहर में ही हो रहा है। सुबह से लक्ष्मी गुड़ी मंदिर से सनातनी नौजवनों की दोपहिया बाइक रैली निकली। यह रैली शहर में लगभग 10 किलोमीटर भ्रमण करते हुए रणजीता स्टेडियम पहुंची। यहां पहले से ही भक्तों का आना शुरू हो गया था। 11 बजते-बजते बीस से तीस हजार की संख्या में श्रद्धालु रणजीता स्टेडियम पहुंच चुके थे। जहां पहले से ही लोगों की बैठने व अयोध्या धाम में हो रहें भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आनंद लेने के लिए बड़ा सा एलईडी स्क्रीन लगा हुआ था। जैसे -जैसे भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आगे बढ़ने लगा श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ने लगी। पूरा स्टेडियम जय श्रीराम के नारों से गूंजाए मान होने लगा। श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के सदस्य के अलावा जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन व भाजपा के कार्यकर्ता पूरी तरह समर्पित होकर इस आयोजन को सफल बनाने में जुटे रहें। श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में जिला कलेक्टर डॉ रवि मित्तल, विधायक रायमुनि भगत, वरिष्ठ भाजपा नेता कृष्ण कुमार राय, सरस्वती शिशु मंदिर के कार्यकर्ता भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता और आमजन शामिल होकर कार्यक्रम को दिशा दे रहे थे।

पूरा दिन राममय रहा

शहरवासियों की आंख खुलते ही सूर्योदय के साथ पूरे शहर में रामधुन, रामभजन और जयश्रीराम के नारों से ही लोग जागे। जैसे जैसे समय अयोध्या श्रीराम मंदि प्राण प्रतिष्ठा की ओर बढ़ता गया जयश्रीराम के नारे और बुलंद होते गए। पूरे शहर में रामभजन, रामधून, रामआएंगे और जयश्रीराम की आवाज ही सुनाई दे रही थी।

अलग खबर

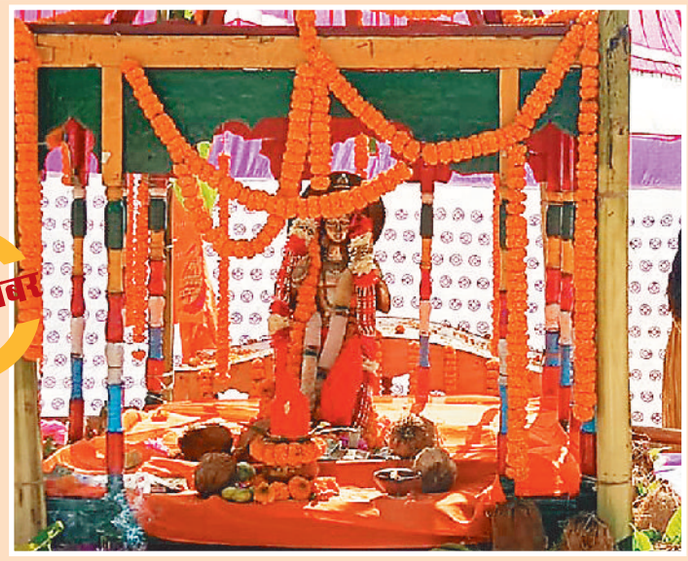

श्रीराम की स्वागत में लगभग बंद रहा शहर

आज शहर की लगभग सभी दुकानें बंद रही सभी व्यापारी या तो अपने घरों में टीवी पर श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव देख रहे थे। यह मंदिरों में पूजा पाठ करते रहे या फिर रणजीता स्टेडियम में सभी के साथ श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आनंद उठाते हुए एक दूसरे को भगवान श्रीराम के आगमन की बधाई देते दिखे।

शहर का अभिवादन बना जयश्रीराम

अब तक लोग नमस्ते, प्रणाम, सुप्रभात आदि जैसे शब्दों से एक दूसरे का अभिवादन किया करते थे परंतु आज शहर एक अलग ही रंग में रंगा हुआ नजर आया। एक दूसरे को अभिवादन में जयश्रीराम जैसे शब्दों का ही मात्र उपयोग होता रहा।

भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सोमवार की शाम लोगों ने अपने घरों में दीप जलाया।

नागलोक हुआ राममय, हर तरफ गूंजता रहा जय श्रीराम का जयघोष

फरसाबहार। सोमवार को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के बाल स्वरूप के नूतन विग्रह को नवीन मंदिर के गर्भगृह में विराजित करके प्राण प्रतिष्ठा की गईं। इस महान ऐतिहासिक अवसर जिसकी प्रतिक्षा हमारे पूर्वजों नें 500 वर्षों तक की है। इस पावन पुनीत अवसर पर नागलोक मुख्यालय फरसाबहार, तपकरा, पंडरीपानी, गंझियाडीह, सिंगीबहार, अंकिरा, लावाकेरा, केरसई सहित पूरे विकासखंड में श्रीराम के बाल स्वरूप की पूजा अर्चना की गई। नागलोक मुख्यालय फरसाबहार के सार्वजनिक शिव मंदिर, हनुमान मंदिर, शिव मंदिर ब्लॉक कॉलोनी, अटल चौक पीपलदेव मंदिर, जगरनाथ मंदिर, शिव मंदिर तामामुण्डा, सरदार टोली एवं नेगी टोली में भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप की धूमधाम से पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर राम भक्तों ने भक्ति संगीत पर जमकर नाच गान करते रहे। जगह जगह प्रसाद वितरण हुआ।

सिंगीबहार में जय श्री राम के जयकारों के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। साथ ही बाजार परिषर में भंडारे का आयोजन किया गया शिव मंदिर से लेकर मिडिल स्कूल मैदान तक निकली शोभा यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। राम धुन, जय श्री राम के जयकारों और भजन-कीर्तन से माहौल भक्तिमय हो गया।

टीवीं में देखी गई मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

बस स्टैंड मे श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को देखने के लिये एल ईडी टीवी कि लाईव व्यवस्था कि गयी थी जिसे देखने के लिये लोग 12 बजे से ही बस स्टैंड मे जमा हो गये थे साढे 12 बजे जैसे ही मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का प्रारंभ हुआ बस स्टैंड जय श्री राम के नरो से गुजायंमान हो गया

नृत्य मंडली की खास पेशकश ने लोगो को किया मोहित

नृत्य मंडली के लोगो ने तरह तरह के नृत्य दिखा कर लोगो का ध्यान अपनी ओर खींचा राम धुन मे इन नृत्य मंडली ने मनमोहक डास प्रस्तुत किया जिसे देखने के लिये लोगो की भीड उमड पडी। तपकरा के बस स्टैंड, घनश्याम नगर, भंडारडिपा तथा सारे चौक चौराहे तथा मंदिरों को राम भगवान के पोस्टर, फ्लैक्स, लरी, लाईटिग से सजाया गया था तत्पश्चात बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर मे संध्या आरती की गयी शाम को बस स्टैंड से लेकर भंडार डिपा शिव मंदिर तक राम धुन के गाना डीजे के साथ लोगो ने शोभा यात्रा निकाल कर संध्या आरती की गयी तथा प्रसाद वितरण किया गया साथ ही सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ करने के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने नगरवासी

अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा विधान विधान से हुआ। श्रीराम के प्रथम दर्शन भी हो गए हैं। इस खास पल को जन-जन के लिए यादगार बनाने नगर सहित पूरे जिले में राम जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन की सहयोग से शहर स्थित रणजीता स्टेडियम में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का सीधा प्रसारण किया गया। एलईडी स्क्रीन के माध्यम से हजारों लोगों ने एक साथ महोत्सव का सीधा प्रसारण देखा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती रायमुनी भगत थीं। उन्होंने भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना कर जिले वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान पूर्व पर्यटन मंडल अध्यक्ष कृष्णा राय, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित कलेक्टर डॉ.रवि मित्तल, एसएसपी डी. रविशंकर भी उपस्थित रहे। इस उत्सव में हजारों लोग इस पल के साक्षी बने। इस दौरान राम भक्ति में सभी लोग झूमते-गाते नजर आए। कार्यक्रम के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। आज के इस दिन का सभी लोग कई सदियों से इंतजार कर रहे थे। ऐसे में आज पूरे जशपुर जिले में महापर्व के रूप में मनाया गया। सभी घरों व मंदिरों में पूजा पाठ व दीपोत्सव किया गया। जशपुर बजारडांड़ स्थित लक्ष्मी गुड़ी मंदिर से प्रातः 8.00 बजे बाईक रैली निकाली गई। इसके आलावा बस स्टैड स्थित हनुमान मंदिर में 108 बार हनुमान चालीसा का पाठ, श्रृंगार एवं शोभा यात्रा निकाली गई। श्रीराम लला जी के इस भव्य महोत्सव को लेकर जिला भर के सभी मंदिर भवनों को रंगबिरंगी लडियों से सजाया गया है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पूरे जिले में माहौल राममय रहा। सभी जगह धार्मिक आयोजन, अनुष्ठान किये गए साथ ही जिले के सभी विकासखंडों के प्रमुख मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां अयोध्या से हुए लाइव प्रसारण को देखा गया। प्रशासन द्वारा इन प्रमुख स्थानों पर लाइव प्रसारण देखने के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई थी।

- रणजीता स्टेडियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय
सागर (म.प्र.)
प्रवेश प्राप्त करने का अंतिम अवसर
B.Ed D.Ed
नोट: शासकीय तथा अशासकीय टीचर जो जॉब में रहकर Part Time (Distance) B.Ed करने का सुनहरा अवसर
सम्पर्क : ज्ञानदीप एकेडमी अम्बिकापुर
पुराना बस स्टैण्ड के पास
मोबा.- 8839281593, 9174881569

खबर संक्षेप

चौथी बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स में शामिल होंगे राजेश प्रताप सिंह

अंबिकापुर। सरगुजा बास्केटबॉल संघ के संचालक व राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह चौथी बार खेल इंडिया यूथ गेम्स में शामिल हो रहे है। राजेश प्रताप सिंह तमिलनाडु के कोयंबटूर में आयोजित 6वीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2024 में छत्तीसगढ़ बालिका बास्केटबॉल टीम के मैनेजर के रूप में सम्मिलित होंगे। इसके पूर्व भी वे खेलो इंडिया गेम्स में अलग अलग जिम्मेदारी निभा चुके है। बास्केटबॉल राष्ट्रीय कोच और आदिवासी बाहुल्य सरगुजा जिले की खेल प्रतिभा को निखार के राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने वाले राजेश प्रताप सिंह इससे पहले खेलो इंडिया युथ गेम्स दिल्ली, गुवाहाटी और इंदौर की प्रतियोगिता में शामिल हो चुके हैं। राजेश प्रताप सिंह ने शहर में खेलो इंडिया व फिट इंडिया मूवमेंट पर स्कूल व क्लब में प्रचार प्रसार करने के साथ ही बच्चों को खेल गतिविधियों से जोड़ने का काम किया है।

कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को किया गया जागरूक

सूरजपुर। नगर के साधु राम विद्या मंदिर में बच्चों के प्रति आपस में नकारात्मकता को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के कक्षा आठवीं से 12वीं तक के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रसून गोयल ने कहा कि संविधान के अनुसार हम सब शासित होते हैं। संविधान ने हमारे स्वतंत्रता की बात कही है। हमें आपस में सामंजस्य बैठाने की आवश्यकता है क्योंकि नफरत सिर्फ समस्या को जन्म देता है। हमें आपस में एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अंकिता गोयल ने बताया की आए दिन विद्यालय में हो रही घटनाओं से हमें जागरूक होने की आवश्यकता है। इस समस्या को देखते हुए सीबीएसई ने भी एंटी बुलिंग की व्यवस्था लागू की है। यातायात के नियम से भी अवगत कराया गया, जिसमें बिना लाइसेंस के तथा तेज गति से वाहन न चलाने की बात कही। अंत में छात्रों ने अपने मन में आ रहे सवालों को मुख्य वक्ता के सामने रखा जिसका उन्होंने बड़ी ही तन्मयता के साथ जवाब दिया।

कोतबा में मना रामोत्सव,राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सजा नगर

कोतबा। धर्मनगरी कोतबा में आज का दिन ऐतिहासिक रामोत्सव मनाया गया। पूरा नगर भगवामय होकर रामभक्ति से सराबोर हो गया। जहाँ राम मन्दिर में 108 हनुमान चालीसा पाठ कराया गया। वही हनुमान मंदिर में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा रामोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही पूरे नगर में ऐतिहासिक भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें पारंपरिक नृतक दल व झाँकी मुख्य आकर्षण का केन्द्र रही।

अयोध्या में हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से जहाँ पूरा देश हर्षित गौरवान्वित है। तो श्रीराम के लिए ननिहाल भी निहाल हुवा राम भक्ति की ऐसी बयार बही है की हर क्षण पुलकित हो उठा धर्मनगरी कोतबा का कण कण राम राम मेरे राम बोल उठा नगर का हर हिन्दू रामभक्त गौरव की अनुभूति से सरोबोर नजर आया। कोतबा नगर में मुख्यतः तीन स्थानों में रामोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमे राम मंदिर कोतबा में परशुराम चौक से लेकर राम मन्दिर तक झालर झण्डा लगाया गया।

वही राम मन्दिर को फूलों से सजाया गया था। इस ऐतिहासिक पुरातन मंदिर को सन्त गहिरागुरु रामेश्वर के करकमलों से विक्रम संवत 2032 के माघ शुक्लपक्ष पंचमी को उद्घाटन किया गया था। जिसके बाद से नगर सहित ग्रामीणों की आस्था भगवान राम के प्रति अधिक बढ़ती गई।

इस मन्दिर से आज हजारो रामभक्तों की आस्था है। आज के रामोत्सव में संत समाज के अनुयायियों संत भक्तो ने पारंपरिक रूप से कोतबा संत समाज आश्रम से पारंपरिक वाद्ययंत्र बाजे गाजे के साथ रामायण की चौपाइयो से राम गुणगान करते हुए राम मंदिर पहुंचे जहाँ पूजन अर्चन आरती कर संकीर्तन व 108 हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

जय जय श्री राम के उद्घोष के साथ भक्तों ने निकाली बाइक रैली

अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश भर में उल्लास और उत्साह का माहौल है। इसका प्रभाव नगर में भी देखने को मिला। उत्साह के साथ सभी नगरवासी राम भक्ति में झूमते-गाते नजर आए। सुबह युवाओं ने शहर में बाइक रैली निकाल कर जय-जय श्री राम का उदघोष किया। इस अवसर पर शहर स्थित मंदिर से श्री राम जी की प्रतिमा को पालकी में लेकर शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। चारों ओर शहर जय-जय सियाराम के नारों से गूंजता रहा। श्री राम भव्य शोभा यात्रा में भाग लेने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे हुए थे।

पत्थलगांव राममय

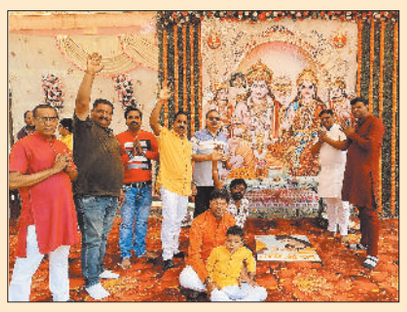

पत्थलगांव। जहां एक और पूरा देश भगवान राम के मंदिर अयोध्या में रामलाल विराजित होने एवं प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साहित व भगवा मय माहौल बना हुआ है,वहीं ग्रामीण क्षेत्र के साथ नगर में भी भगवा मय का माहौल है। भगवान श्री राम के अयोध्या में विराजित होने की खुशियां पूरे देश में मनाई जा रही है, इसी क्रम में पत्थल गांव में भी मिनी अयोध्या के रूप में सजाकर पूरा नगर भगवा में माहौल में राममय हो चुका है। बाजार पारा दुर्गा समिति द्वारा दुर्गा चौक पर भगवान श्री राम की मूर्ति के सामने लड्डुओं का प्रसाद बांटते हुए भगवान राम की आरती की गई। वहीं मुख्य चौक पर एलईडी स्क्रीन लगाकर रामलाल के प्रतिस्थापित होने के लाइव दर्शन हजारों लोगों ने किया एवं जय श्री राम के नारे लगाते पत्थल गांव को गूंजायमान कर दिया।

पुलिस ने शहर में निकाला फ्लैग मार्च, बड़ी संख्या में तैनात किए गए जवान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

रामलला प्राण प्रतिष्ठा के दौरान शहर व जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। इस दौरान जिलेभर में धार्मिक स्थलों, आयोजन स्थल व जिलेभर में पुलिस का कडा पहरा रहेगा। आयोजन के पूर्व आज पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा शहर में फ्लैग मार्च निकालकर उत्सव को सद्भावनापूर्वक मनाने का

सन्देश दिया गया। अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर शहर के साथ ही जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने है। इस दौरान जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। आयोजन को लेकर आज सरगुजा पुलिस व जिला प्रशासन द्वारा शहर में फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च घड़ी चौक से प्रारंभ होकर सद्भावना चौक पर समाप्त हुआ। इस दौरान एएसपी पुपलेश कुमार ने बताया कि शहर के साथ ही जिलेभर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। शहर के विभिन्न आयोजन स्थल, रामगढ़, सभी मंदिरों, मस्जिदों में सुरक्षा बल लगाए गए है। सोमवार को शहर में 500 से से अधिक जवानों को तैनात किया जाएगा। वहीं शहर में एनसीसी के बच्चों को भी वोलेंटियर के रुप में लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्सव को सद्भावनापूर्वक मनाने का आह्वान किया गया है। आयोजन के दौरान किसी प्रकार का विघ्न डालने, उत्पात मचाने वालों पर पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सूरजपुर एसपी ने पखवाड़े भर के भीतर तबादला आदेश में किया संशोधन

बिश्रामपुर। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद पुलिस कर्मी अब अपनी मनचाही पोस्टिंग के लिए सत्ता पक्ष नेताओं के चक्कर लगा रहे हैं। इनमे से कुछ ऐसे पुलिसकर्मी भी हैं जो कांग्रेस की सरकार में भी मनचाहे थाना चौकियों का प्रभारी बनकर अपनी महत्वकांक्षाओं को पूरा किया है।अब इन्हीं में से कुछ कर्मी ऐसे हैं जिन्होंने कांग्रेस की सरकार जाते ही भाजपा में पैठ रखने वालों के पीछे घूमना शुरू कर दिया है, इसमें कुछ खास थाना चौकी के प्रभारी अपने प्रयास में सफल भी हुए है, गौरतलब है कि अभी सूरजपुर एसपी ने करीब दस दिनों पहले दर्जन भर के करीब पुलिस कर्मियों का तबादला किया था जिसमें कुछ प्रभारियों के नाम शामिल थे। इनमें से सभी ने अपनी ज्वाइनिंग भी दे दी है। यहां एसपी ने करंजी चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रदीप सीदार का तबादला सूरजपुर कोतवाली करते हुए डीएसबी शाखा प्रभारी विराट बी शी को प्रभारी नियुक्त किया था।

सुदामा ने नहीं छोड़ा हरि नाम लेना

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सुदामा चरित्र के साथ स्वधाम गमन

पत्थलगांव। पत्थलगांव में 16 जनवरी से चल रहे श्रीमद भागवत कथा का सोमवार को सुदामा चरित्र के साथ समापन हुआ। इस मौके पर भजन में डुबी महिलाएं जमकर थिरकीं।

कथा वाचक आचार्य रामानुग्रह शास्त्री मध्यप्रदेश जबलपुर वृंदावन से आकर यहां भक्तों को श्रीमद भागवत कथा सुना रहे थे। कथा सुनते लोग भक्ति भाव से सराबोर हो रहे थे। कथा वाचक अनुग्रह शास्त्री ने श्रीमद भागवत कथा के दौरान अनेक महत्वपूर्ण बातें कही व जीवन जीने की विशेषता बताए। सोमवार को श्रीमद भागवत कथा में श्री कृष्ण सुदामा कथा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा सुदामा के पास खाने के लिए एक दाना भी नहीं था। फिर भी सुदामा ने अपने राब समय में भी हरि कृष्ण का नाम लेना नहीं छोड़ा। इसी का नतीजा निकला कि भगवान कृष्ण ने अपने मित्र सुदामा को अपनी आधी सम्पति दे दी।

साथ ही आचार्य अनुग्रह शास्त्री ने कहा कि सभी व्यक्तियों को अपने धर्म की जरूर पूजा करनी चाहिए। आज के भागम-भाग जिंदगी में समय निकालकर अध्यात्म और पूजा पाठ के लिए समय निकालना चाहिए। लालच और ब्याग्रह से कमाए रूपए नहीं बचते,आपके द्वारा किया गया दान आपको पुण्य दिलाता है। अनुग्रह शास्त्री ने श्रीमद भागवत कथा के दौरान भजन के माध्यम से अनहोनी को होनी कर दे अनहोनी को होनी कर दे श्याम है उसका नाम। रे कृष्ण नाम है उसका रे जिसका लागी है लगन प्रभु राम में उसका दिया जले तूफान में जैसे अनेक भजन गाये जिन्हें सुनकर सभी भक्त पूरी तरह भक्तिमय होकर ताली बजाते रहे। श्री भागवत कथा सुन रहे भोजपुरी समाज के अध्यक्ष अभय सिंग ने कहा कि जबलपुर से आए आचार्य जी के जीभा में मानो मां सरस्वती जी विराजमान हो उन्हें श्रीमद गवत कथा सुनाने में महारत हासिल है।

प्रमाण पत्र की अनिवार्यता शिथिल

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) बिलासपुर द्वारा जारी सहायक ग्रेड-3 के पद हेतु अब हिन्दी अथवा अंग्रेजी में 5000 की डिप्रेशन की गति के प्रमाण पत्र की अनिवार्यता को शिथिल किया गया है।

सालसा के सदस्य सचिव आनंद प्रकाश वारियाल द्वारा दी गई जानकारी अनुसार सालसा के द्वारा विभिन्न रिक्त पदों के साथ- साथ सहायक ग्रेड-3, कम्प्यूटर आपरेटर, प्रोसेस राईटर के पद हेतु दिनांक 08 सितंबर 2023 को विज्ञापन जारी किया गया था। जिसकी अंतिम तिथि 09 अक्टूबर 2023 थी। सहायक ग्रेड-3, कम्प्यूटर आपरेटर, प्रोसेस राईटर के पद हेतु निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के अंतर्गत मान्यता प्राप्त मंडल, संस्था अथवा छत्तीसगढ़ शीघ्रलेखन मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से (कम्प्यूटर एवं साफ्टवेयर के माध्यम से) हिन्दी अथवा अंग्रेजी मुद्रलेखन में 5000 की डिप्रेशन प्रति घंटा का प्रमाण पत्र संबंधी शैक्षणिक योग्यता को विलोपित कर संशोधित, शुद्धि पत्रक का विज्ञापन जारी करते हुए पात्र अभ्यर्थियों से दिनांक 22 से 27 जनवरी-2024 को शाम 5 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी। पूर्व में जो अभ्यर्थी उक्त पद हेतु आवेदन प्रस्तुत कर चुके हैं उन्हें पुनः आवेदन प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है। अधिक जानकारी के लिये सालसा की शासकीय वेबसाईट https://cgsisa.gov.in/ का अवलोकन किया जा सकता है।

सिटी स्पोर्ट्स

जिम जाने की क्या है सही उम्र? आपको जानना जरूरी

सोशल मीडिया के इस दौर में हर किसी को एक्सपोजर मिल रहा है, ऐसे में लोगों पर अच्छा दिखने का दबाव काफी बढ़ चुका है। इसके लिए लोग खुद को फिट रखने की हर संभव कोशिश भी कर रहे हैं। खासकर युवाओं और किशोरों में फिटनेस को लेकर क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। फिटनेस के चक्कर में किशोरों और बच्चों में भी जिम ज्वॉइन करने की होड़ सी मच रखी है।ऐसे में यह जानने और समझने की जरूरत है कि आखिर किस उम्र से वर्कआउट या जिम में एक्सरसाइज करना शुरू करना चाहिए।

दरअसल, आजकल स्लिम फिगर की चाहत में जहां लड़कियां हर तरह के वर्कआउट को आजमा रही हैं तो वहीं लड़के सिक्स पैक और एब्स बनाने के लिए जिम में घंटों पसीना बहाते हैं। जबकि छोटी उम्र में इतनी अधिक फिजिकल एक्सरसाइज या वर्कआउट सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकती है। इसलिए इस सवाल का जवाब जानना जरूरी है कि आखिर जिम जाने की सही उम्र क्या है? लखनऊ के जानेमाने फिजिशयन डॉ. ब्रिजेंद्र सिंह ने इस बारे में विस्तार से बताया।

बच्चों के लिए खेलकूद है बेहतर एक्सरसाइज

हमारे एक्सपर्ट डॉ. ब्रिजेंद्र सिंह बताते हैं कि 14 साल तक की उम्र तक बच्चों के लिए खेलकूद से बेहतर कोई एक्सरसाइज नहीं होती है। क्योंकि इससे न सिर्फ बच्चों के शारीरिक विकास में मदद मिलती है बल्कि ये उनके मानसिक सेहत के लिए भी लाभकारी होता है। दरअसल, इस उम्र के बच्चों में काफी ऊर्जा होती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उसे जिम में पसीने बहाने में इस्तेमाल करें। बल्कि इस उम्र तक के बच्चों के लिए बैड मिंटन, टेनिस, रस्सी कूद, रनिंग और जंपिंग जैसे फिजिकल गेम्स काफी लाभकारी होते हैं। इससे हड्डियों के विकास, शरीर की लंबाई बढ़ने के साथ मोटापे से काफी हद तक निजात मिलती है।

किशोर इन एक्टिविटी के जरिए खुद को रखें फिट

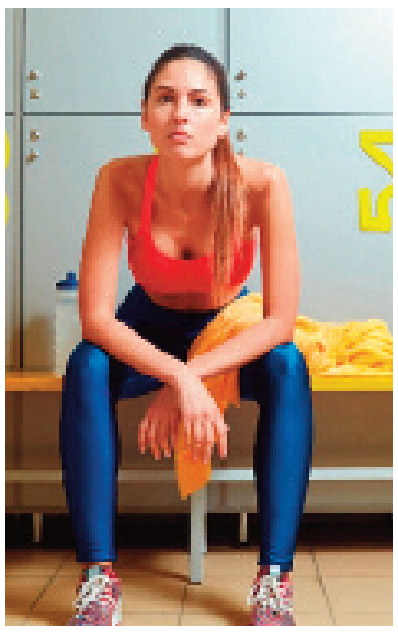

वहीं 14 से 17 साल तक की उम्र में शरीर के सभी विकसित और मजबूत हो जाते हैं, लेकिन यह उम्र भी जिम ज्वाइन करने के लिए सही नहीं है। बल्कि इस उम्र में घर में ही योग और एक्सरसाइज का अभ्यास करना चाहिए। इसके अलावा इस उम्र के किशोरो के लिए स्विमिंग और साइकिलिंग बेहतर फिजिकल एक्टिविटी है जो उन्हें सेहतमंद रखने में मददगार होती है।

इस उम्र में ज्वाइन कर सकते हैं जिम

17 से 18 साल की उम्र में शरीर का लचीलापन दूर हो जाता है, इसलिए इस उम्र में जिम ज्वाइन कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि आप किसी अच्छे जिम संस्थान को ही ज्वाइन करें जहां पर प्रशिक्षित लोग ही फिजिकल एक्टिविटी की ट्रेनिंग देते हो।

जिम ज्वाइन करते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

इसके साथ ही जिम ज्वाइन करते वक्त, आपको शुरुआती दिनों में कुछ बातों का ध्यान रखना होगा, जैसे कि शुरुआत में लंबे एक्सरसाइज का अभ्यास न करें। बल्कि धीरे-धीरे एक्सरसाइज का टाइम बढ़ाएं। इसके अलावा जल्द मसल्स बनाने के लिए किसी सप्लीमेंट का इस्तेमाल न करें। हां आप अपने खान-पान का पूरा ध्यान रखें और भोजन में जितना हो सके पौष्टिक चीजों को शामिल करें। क्योंकि अच्छी सेहत के लिए अच्छे आहार का सेवन सबसे जरूरी है। इन सभी सावधानियों को ध्यान में रखकर आप जिम ज्वाइन कर सकते हैं और सेहत लाभ पा सकते हैं।

मोबाइल फोन और एलईडी स्क्रीन पर बढ़ती निर्भरता भी चुनौती

40 की उम्र के बाद बढ़ने लगती हैं आंखों की समस्याएं, ये टिप्स सभी के लिए फायदेमंद

आंखें ईश्वर का अनमोल उपहार हैं, इन्हीं की मदद से हम दुनिया के नजारे ले पाते हैं। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ आंखों की समस्याएं भी बढ़ने लगती हैं। विशेषकर 40 की उम्र के बाद ज्यादातर लोगों में आंखों से संबंधित समस्याएं शुरू हो जाती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अब कम उम्र के लोगों में भी आंखों की समस्याएं बढ़ती हुई देखी जा रही हैं। बड़ी संख्या में बच्चों में कम दिखाई देने, रोशनी की कमी होने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिसके कारण कम उम्र में ही चश्मा लग जा रहा है। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना बहुत आवश्यक है। विशेषतौर पर 40 की उम्र के बाद आपको और भी सावधान हो जाना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल-आहार में गड़बड़ी के कारण

आंखों से संबंधित दिक्कतें बढ़ती हुई देखी जा रही हैं। धूम्रपान, स्क्रीन के अधिक इस्तेमाल जैसी गड़बड़ आदतों के कारण आंखों पर अतिरिक्त तनाव बढ़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम सभी कम उम्र से ही आंखों की देखभाल करते रहें। आइए कुछ उपायों के बारे में जानते हैं जिनका पालन करके आप आंखों की रोशनी को ठीक बनाए रख सकते हैं। 40 की उम्र के बाद इन उपायों पर ध्यान रखना और भी जरूरी हो जाता है।

आंखों का व्यायाम जरूरी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जिस तरह से व्यायाम जरूरी है, आंखों के लिए भी इसकी आवश्यकता होती है। आंखों के व्यायाम के लिए हर 20 मिनट में, कम से कम 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर किसी वस्तु को देखने की आदत बनाएं। आंखों को थोड़ी-थोड़ी देर पर बंद करके क्लाक और एंटीक्लाक वाइज घुमाएं।

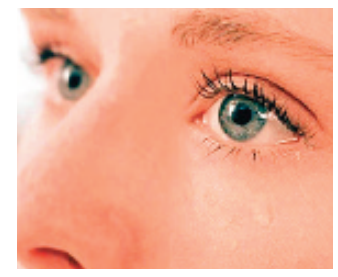

पौष्टिक आहार पर दें ध्यान

पौष्टिक आहार संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए जरूरी हैं। आंखों की रोशनी को भी बेहतर बनाए रखने, रेटिना और मांसपेशियों को स्वस्थ रखने के लिए आहार में पौष्टिक चीजों का जरूर शामिल किया जाना चाहिए। ऐसा आहार जो विटामिन-ए, सी और ई, जिंक, ल्यूटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर हों, आंखों को स्वास्थ रखने में महत्वपूर्ण माने जाते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों, गाजर, चुकंदर, बादाम, अंडे के साथ खट्टे फलों को आहार का हिस्सा बनाकर आंखों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

कम करें स्क्रीन टाइम

स्क्रीन टाइम यानी मोबाइल-कंप्यूटर पर बीतने वाला समय। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि आपका स्क्रीन टाइम जितना अधिक होगा, आंखों के लिए उतनी समस्याएं हो सकती हैं। हमारी आंखों में आंसू के रूप में नमी होती है। ये आंसू की फिल्म पानी के साथ-साथ इलेक्ट्रोलाइट्स और प्रोटीन और एंजाइम से बनी होती है। लंबे समय तक स्क्रीन के संपर्क में रहने के कारण समय के साथ आंसू सूखने लगते हैं, हमारी आंखें शुष्क होती जाती हैं।आंखों में नमी कम होने से दर्द, लालिमा, रगड़ बढ़ जाती है जिससे आंखों की नाजुक त्वचा को क्षति पहुंच सकती है।

यिमित जांच जरूरी

उम्र बढ़ने के साथ आंखों की रोशनी कम होने लगती है, पर इसकी शुरुआत काफी पहले से ही हो जाती है। हमें इसका पता तब चल पाता है जब समस्या काफी बढ़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि नियमित रूप से आंखों की जांच कराई जाए। आंखों की कई ऐसी बीमारियां हैं जो बिना किसी लक्षण के लंबे समय तक बनी रहती हैं और अंदर ही अंदर क्षति पहुंचाती रहती हैं इसलिए वार्षिक नेत्र जांच कराना महत्वपूर्ण है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप या नेत्र रोग के पारिवारिक इतिहास वाले लोगों को साल में कम से दो बार डॉक्टर की सलाह पर जांच करानी चाहिए।

खाने में स्वाद का दोगुना तड़का लगाने अपनाएं कुछ आसान हैक्स

अगर आप खाने के स्वाद को दोगुना करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको कुछ टिप्स का ध्यान रखना होगा। आइए जानते हैं उन टिप्स के बारे में खाने के टेस्ट को बढ़ा सकते हैं।

आज हम आपको इस आर्टिकल की मदद कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिसका इस्तेमाल कर आप अपने खाने के स्वाद को बढ़ा सकती हैं।

स्वाद बढ़ाने वाले टिप्स

बिरयानी बनाते समय इसके ऊपर से केसर वाले दूध के साथ दो चम्मच घी डालने से इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। भरवा भिंडी बनाते समय अगर आप इसकी स्टाफिंग में थोड़ा सा चाट मसाला मिला देते हैं तो इसका स्वाद बढ़ जाता है।

नर्म स्वादिष्ट तंदूरी रोटी बनाने के लिए इसका आटे में हल्का सा दही मिलाएं। चपाती के आटे को गर्म पानी की सहायता से गूथें। खीर में उबाल आने के बाद उसमें थोड़ी सी खसखस डालें। इससे खीर गाढ़ी और स्वादिष्ट बनेगी। भिंडी की सब्जी पकाते समय उसमें नींबू का रस और भुना हुआ बेसन मिलाएं। इससे सब्जी चिपचिपी (खाने का स्वाद बढ़ाए मसालों का यह मेल) नहीं बनती। किसी भी सब्जी का ग्रेवी बनाने के लिए जब आप प्याज को भूनते हैं उस समय इसमें एक चुटकी चीनी डाल दें। इससे ग्रेवी का रंग खिलकर आता है। पनीर के टुकड़े को फ्राई करने से पहले गर्म पानी में डालकर रखें। ऐसा करने से पनीर के टुकड़े सॉफ्ट रहेंगे।

पालक की पूरी को स्वादिष्ट बनाने के लिए जिस पानी में पालक को बॉयल करें उसी पानी से आटे को गूथें। चावल बनाते समय उसमें दालचीनी का छोटा सा टुकड़ा डालें। इससे चावल खुशबूदार और स्वादिष्ट बनेंगे। आटे के लड्डू बनाते समय, उसके मिश्रण में गोंड और खरबूजे के बीज की गिरी मिला दें। इससे इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। अगर आप बिना अंडे का केक बना रहे हैं तो इसके बैटर में एक पका हुआ केला और थोड़ा सा मीठा दही मिलाएं। इससे केक टेस्टी और फ्लफी बनेगा। अगर आप अपने खाने में प्याज का इस्तेमाल नहीं करना चाहती हैं तो हींग को कुछ समय के लिए अदरक के रस में मिलाकर रख दें। ऐसा करने से जब आप इसका इस्तेमाल सब्जी में करेंगे तो उसमें प्याज का टेस्ट आएगा।

ठंड में जरूर पिएं लेमन टी, सेहत के लिए फायदे

चाय के शौकीन हैं तो सर्दियों में नींबू वाली चाय का सेवन करें, इससे आपकी सेहत को काफी फायदा पहुंच सकता है। चाय हम सभी की पसंदीदा ड्रिंक होती है। दिन की शुरुआत चाय के साथ ही होती है। कुछ चाय के शौकीन तो ऐसे होते हैं जो दिन भर में कई बार पी ही लेते हैं। सर्दियों में इसका सेवन और भी ज्यादा बढ़ जाता है। अगर आप भी चाय के शौकीन है तो आप दूध वाली चाय की बजाय नींबू की चाय से दिन की शुरुआत करें। यूं तो हर मौसम में लेमन टी पीने से फायदा पहुंचता है लेकिन सर्दियों में यह आपके लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है आइए जानते हैं कि आखिर ठंड में नींबू की चाय को क्यों रूटीन का हिस्सा बनना चाहिए।

ठंड में लेमन टी पीने के फायदे

नींबू की चाय पीने से इसलिए फायदा हो सकता है, क्योंकि नींबू की चाय में विटामिन सी, राइबोफ्लेविन, विटामिन **b**6, नियासिन, शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं। सर्दियों के मौसम में इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और आप बार-बार बीमार पड़ते हैं। ऐसे में नींबू में मौजूद विटामिन सी, आपकी इम्यूनिटी को बूस्ट करता है और इससे संक्रमण से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

नींबू की चाय पीने से आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है। इससे आपको फैट बर्न करने में मदद मिलती है और आप वजन गेन करने से बच जाते हैं। (मेटाबॉलिज्म कैसे बूस्ट करें) नींबू की चाय में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं, जिनके सेवन से आपको इंफेक्शन काम करने में मदद मिलती है। अगर आपको बैक्टीरिया या वायरस की वजह से सर्दी जुकाम हो भी जाता है तो इसका सेवन करने से आपको आराम मिल सकता है। नींबू की चाय पीने से बॉडी को डिटॉक्सिफाई किया जा सकता है। डिटॉक्सिफिकेशन की वजह से भी आप बीमारियों को बढ़ाने से रोकते हैं। नींबू की चाय पीने से कैल्शियम का अवशोषण सही होता है। दरअसल विटामिन सी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। इससे आपकी हड्डियों को मजबूती मिल सकती है।

फैसला लेने में होता है तनाव? रुकें और लें एक्सपर्ट की सलाह

कुछ लोगों को निर्णय लेने के नाम पर ही तनाव होने लगता है और इसके कारण उन्हें प्रोफेशनल लाइफ से लेकर निजी जिंदगी में कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर आपको भी निर्णय लेने में किसी तरह की समस्या पेश आती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। सही समय पर लिया गया सही निर्णय, आपके जीवन को बेहतर दिशा देने का काम करता है। इसलिए जीवन में आगे बढ़ने के लिए सही गलत के बीच चुनाव के साथ ही तुरंत निर्णय लेने की कुशलता जरूरी है। पर कुछ लोगों को निर्णय लेने के नाम पर ही तनाव होने लगता है और इसके कारण उन्हें प्रोफेशनल लाइफ से लेकर निजी जिंदगी में कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

कैसे पहचाने निर्णय लेने में तनाव की समस्या को

डॉ. चांदनी तुगनैत बताती हैं कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जहां आज निर्णय लेने की क्षमता का महत्व काफी बढ़ चुका है, वहीं बहुत सारे लोग निर्णय लेने के कौशल से अंजान हैं। ऐसे में इन लोगों के लिए सही निर्णय लेना काफी मुश्किल हो जाता है और अक्सर ऐसे लोग निर्णय लेते वक्त तनाव और मानसिक अवसाद का शिकार बन जाते हैं। बात करें लक्षणों की तो ऐसी स्थिति में लोगों को तेज तनाव, बेवजह गुस्सा आना, उदासी या मानसिक थकान महसूस हो सकता है।

क्यों होती है निर्णय लेने में तनाव की समस्या

बात करें इसकी वजह की तो काम का अधिक तनाव और समय की कमी के कारण निर्णय लेने में समस्या आती है। आजकल लोगों के पास एक से अधिक जिम्मेदारियां होती हैं और उन सबको निभाते वक्त कई बार निर्णय लेने की प्रकिया गुजरना होता है। ऐसे में बार-बार निर्णय लेने की प्रक्रिया व्यक्ति को इसके प्रति उदासीन बनाने के साथ-साथ तनाव का भी कारण देती है। जितना अधिक लोगों के पास निर्णय लेने का लक्ष्य बढ़ता जाता है, तनाव के चलते उनके निर्णय की गुणवत्ता उतनी ही घटती जाती है।

कैसे निपटें निर्णय लेने में तनाव की समस्या से

बात की जाए इस समस्या के निजात की तो इस बारे में हमारी एक्सपर्ट डॉ. चांदनी तुगनैत का कहना है कि निर्णय लेने में तनाव की समस्या से बचने के लिए आपको निर्णय लेने के कौशल को हासिल करना होगा। इसके लिए आपके उन व्यवहारिक तरीकों को अपनाना होगा, जिनसे आप निर्णय लेने में महारत हासिल कर सकें। चलिए अब उन व्यवहारिक तरीकों और रणनीतियों के बारे में बात कर लेते हैं, जो आपको निर्णय लेने में कुशल बना सकते हैं।

अपनी प्राथमिकता निर्धारित करें

निर्णय लेने में होने वाली समस्याओं से बचने के लिए सबसे पहले आपको अपनी प्राथमिकता निर्धारित करनी होगी। दरअसल, प्राथमिकता निर्धारित करने के साथ ही चुनाव या निर्णय लेने की प्रकिया आपके लिए आसान हो जाएगी। इसलिए एक समय में सभी कार्यों को अंजाम देने की कोशिश करने के बजाय आपको प्राथमिकता के आधार पर चुनाव करना चाहिए। नियमित दिनचर्या आपको मानसिक स्थिरता और मजबूती देती है, जो निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने में सहायक होता है। वहीं एक निश्चित समय पर किए जाने वाले कार्यों के संबंध में निर्णय लेना भी आसान होता है।

मौजूदा दौर में लिवर से जुड़ी बीमारियों का बढ़ रहा जोखिम

शरीर को स्वस्थ रखना है तो लिवर का रखिए ख्याल

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पाचन का ठीक रहना जरूरी है और बेहतर पाचन के लिए जरूरी है कि आपका लिवर ठीक से काम करे। लिवर, शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है जो न सिर्फ पाचन स्वास्थ्य को ठीक रखने में मदद करता है साथ ही ये शरीर से अपशिष्ट या विषाक्त पदार्थों को भी बाहर निकालता है। हालांकि कई कारणों से समय के साथ लोगों में लिवर से संबंधित बीमारियों का जोखिम काफी तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। पेट और आंतों से निकलने वाला सारा रक्त लिवर से होकर गुजरता है, जिसे ये अंग संसाधित करता है, उनका ब्रेक डाउन करके संतुलित करता है और पोषक तत्वों को शरीर में पहुंचाता

है। जिसका मतलब है कि अगर लिवर में किसी प्रकार की बीमारी हो जाए तो इसका असर संपूर्ण स्वास्थ्य पर हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को लिवर को ठीक रखने के लिए जरूरी उपाय करते रहने की सलाह देते हैं।

लिवर की बीमारियों का खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लिवर एक मल्टीटास्कर अंग है हालांकि फैटी लिवर फाउंडेशन के अनुसार, लगभग हर तीन में से एक युवा में फैटी लिवर नामक बीमारी का खतरा देखा जा रहा है। लिवर में वसा के जमाव और सूजन की ये बीमारी लिवर के कार्यों को प्रभावित करने वाली हो सकती है। आहार विशेषज्ञ कहते हैं, इस अंग को स्वस्थ रखने में आहार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आइए जानते हैं कि लिवर की सेहत ठीक रखने के लिए क्या खाना चाहिए और किन चीजों से परहेज बहुत जरूरी है?

खाइए पत्तेदार सब्जियां और साग

पालक और अन्य पत्तेदार सब्जियों में पाए जाने वाले यौगिक फैटी लिवर के खतरे को कम करने के साथ लिवर की अन्य बीमारियों में भी लाभकारी हो सकते हैं। अध्ययन में पाया गया कि पालक खाने से विशेष रूप से एनएएफएलडी का खतरा कम हो सकता है, हरी पत्तेदार सब्जियों-साग में पाए जाने वाले नाइट्रेट और विशिष्ट पॉलीफेनोल्स के कारण लिवर के लिए फायदेमंद हो सकती हैं। इसके अलावा फैटी मछलियों में ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा अधिक होती है। ये पोषक तत्व लिवर में वसा को कम करने, कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर को बढ़ने से रोकने में भी मददगार है।

लिवर को स्वस्थ रखने वाले आहार

आहार जिसमें प्रचुर मात्रा में रंगीन फल और सब्जियां, उच्च फाइबर वाली चीजें, साबुत अनाज, स्वस्थ वसा, लीन प्रोटीन और कैल्शियम युक्त डेयरी उत्पाद होती हैं, ये लिवर के साथ संपूर्ण शरीर के लिए फायदेमंद मानी जाती हैं। इसके अलावा अध्ययनों में संतुलित मात्रा में कॉफी के सेवन को भी लिवर के लिए लाभकारी पाया गया है। शोध के अनुसार नियमित रूप से सीमित मात्रा में कॉफी का सेवन नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) के खतरे को कम कर सकती है।

ये चीजें पहुंचाती हैं नुकसान

डॉक्टर बताते हैं, शराब का सेवन लिवर की सेहत के लिए सबसे नुकसानदायक होता है। इससे फैटी लिवर के साथ-साथ लिवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का भी खतरा रहता है। इसके अलावा कैंडी, कुकीज, सोडा जैसे एडेड शुगर या फिर अधिक नमक वाली चीजें भी लीवर में वसा के निर्माण की मात्रा बढ़ा देती हैं, इनसे दूरी बनाकर रखना बहुत आवश्यक है।

क्या घर की तिजोरी में रखनी चाहिए देवी-देवताओं की मूर्ति?

जब भी हम घर में कसी भी देवी या देवता कि प्रतिमा लेकर आते है तो उसे घर के मंदिर में स्थापित करते हैं। वहीं, कुछ लोग देवी-देवताओं की प्रतिमा को तिजोरी में भी विराजित करते हैं। जब भी हम घर में कसी भी देवी या देवता कि प्रतिमा लेकर आते है तो उसे घर के मंदिर में स्थापित करते हैं। वहीं, कुछ लोग देवी-देवताओं की प्रतिमा को तिजोरी में भी विराजित करते हैं।

विशेष रूप से मां सरस्वती, मां लक्ष्मी, कुबेर देव और गणेश जी की मूर्ति घर की तिजोरी में लोगों द्वारा रखी जाती हैं। ऐसे में अब सवाल यह उठता है कि क्या घर की तिजोरी में भगवान की मूर्ति रखना सही है। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं।

ऐसा माना जाता है कि देवी-देवताओं की प्रतिमा उस स्थान पर रखनी चाहिए जहां से उनकी रोजाना पूजा-सेवा की जा सके। साथ ही, उनके रोजाना दर्शन हो सकें जिससे भगवान का आशीर्वाद मिलता है उनके दर्शनों से मिलने वाली सकारात्मकता हम तक पहुंच सके। ऐसे में अगर तिजोरी में भगवान की स्थापना करते हैं तो यह बहुत जरूरी हो जाता है कि तिजोरी फिर बंद न की जाए। सीधे-सीधे कहें तो भगवान को तिजोरी में रखा जा सकता है लेकिन इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि तिजोरी का द्वार खुला रहे और बंद न किया जाए। इसके अलावा, यह भी जरूरी है कि तिजोरी में भगवान की मूर्ति स्थापित करने के बाद भी उनकी नियमित पूजा और आरती करनी चाहिए। तभी तिजोरी में रखी देवी-देवताओं की प्रतिमा सिद्ध होती है और उनकी स्थापना का शुभ प्रभाव घर और घर के सदस्यों पर नजर आता है।

घर की तिजोरी में अगर भगवान की मूर्ति स्थापित कर रहे हैं तो इस बात का भी ध्यान रखें कि नियमित रूप से भगवान की प्रतिमा को तिजोरी से निकाल कर स्वच्छ करें और देवी-देवता का तिलक कर उनका श्रृंगार भी करें। साथ ही, देवी-देवता को उनके प्रिय पुष्प भी चढ़ाएं।

श्रीराम से लिया गया है चंद्र शब्द, खुरी गौमाता के खुर से संबंधित

गौ कथा को सुनने पहुंचे हजारों श्रद्धालु, समझाया चंद्रखुरी का अर्थ

भारतीय गौ क्रांति मंच द्वारा मांढर गांव में गौ कथा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौ कथा वक्ता उत्तराखंड वाले गोपालमणी महाराज ने कहा कि छत्तीसगढ़ हमारे प्रभु रामजी का ननिहाल है, जहां पर कौशल्या माता मंदिर है, उस गांव का नाम चंदखुरी है, जिसका मतलब चंद्र शब्द रामजी से लिया गया है और खुरी गौमाता के खुर से संबंधित है अर्थात जिस स्थान पर भगवान राम गाय के खुर की धूली में उठना, बैठना, चलना-फिरना, दौड़ना-कूदना सीखे हैं, वही चंद्रखुरी है। आज अयोध्या धाम में श्रीरामलाल की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर सारा देश राम प्रतिष्ठा के उत्सव में हर्षित हो रहा है। धरती माता के जड़ और चेतन दो स्वरूप है, मिट्टी-पत्थर, पेड़-पौधे, नदी, सरोवर, झरने, समुद्र आदि जड़ स्वरूप हैं और गौमाता उसका चेतन स्वरूप है अर्थात जिस समय गौमाता हर्षित होगी, वही रामलला प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त बन जाएगा, इसलिए प्राण-प्रतिष्ठा के इस संवाद को केवल गौमाता ही हल कर सकती है, अतः रामलला की प्रतिष्ठा से पूर्व इस देश में गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान मिलना अत्यंत आवश्यक है।

संपूर्ण विश्व में शांति की स्थापना

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान देकर रामलला की प्रतिष्ठा केवल भारतवर्ष ही नहीं, संपूर्ण विश्व में शांति की स्थापना प्रशस्त कर सकते हैं, यही हमारे वेद-शास्त्रों का सार है। गौमाता को प्रतिष्ठा दिए बिना रामलला को प्रतिष्ठा देना केवल औपचारिकता मात्र होगा। अतः देश की समस्त जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए संपूर्ण विश्व को आनंद के समुद्र में निमग्न होने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

बुरी नजर का असर कम करना है तो इसे अपनाएं

कई बार हमारी समस्याओं का कारण जान पाना मुश्किल हो जाता है और हम परेशानियों को दूर करने के लिए कई उपाय आजमाते हैं। अगर आप बुरी नजर से परेशान हैं तो कुछ उपाय आजमा सकते हैं। आपमें से कई लोगों ने इस बात का अनुभव किया होगा कि उनके आस-पास कोई ऐसी नकारात्मक शक्ति का वास होता है जो उन्हें परेशानी में डालती है। कई बार इसका असर आपकी सेहत पर हो सकता है और कई बार इससे आर्थिक हानि होने लगती है।

बुरी नजर दूर करने से पहले क्या करें

इसके लिए सही जगह का चुनाव करना सबसे पहले जरूरी माना जाता है। यह अनुष्ठान आमतौर पर शांत और अबाधित समय के दौरान करने की सलाह दी जाती है। समय की बात करें तो दिन के समय आध्यात्मिक ऊर्जा अधिक सक्रिय होती है, इसलिए फिटकरी से बुरी नजर दूर करने के लिए दिन सबसे उपयुक्त माना जाता है। इस अनुष्ठान को शुरू करने से पहले व्यक्तिगत स्वच्छता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसमें स्नान करना और साफ कपड़े पहनना सबसे ज्यादा जरूरी हैं।

दूर करें बुरी नजर का असर

आहार आपके बच्चे को या घर में किसी भी व्यक्ति को बुरी नजर लग जाए तो इसे दूर करने के लिए आप फिटकरी का आसान उपाय आजमा सकती हैं। इसके लिए आप एक गिलास पानी और फिटकरी का एक टुकड़ा लें। फिटकरी के टुकड़े को पानी में डाल दें और इसे अच्छी तरह से घुलने दें। जब यह अच्छी तरह से पानी में घुल जाए तब इसे नजर उतारने के लिए इस्तेमाल किया जा सकती है।

इंतजार खत्मः आदुजीविथम की रिलीज डेट आई सामने...

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के जानेमाने अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म आदुजीविथम 10 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी। ब्लेसी द्वारा निर्देशित और पृथ्वीराज अभिनीत फिल्म का लोग बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर पृथ्वीराज ने वीडियो शेयर करते हुये लिखा,सबसे बड़ा सर्वाइवल एडवेंचर। एक अविश्वसनीय सच्ची कहानी. असाधारण रहस्योद्घाटन का गवाह बनें। यह फिल्म यह फिल्म बेन्यामिन द्वारा लिखे गए इसी नाम के मलयालम उपन्यास का रूपांतरण है। यह फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी। पृथ्वीराज एक भारतीय फिल्म अभिनेता, निर्देशक, निर्माता और पार्श्व गायक है।

लाइफ Style

कैटरीना

निभाना चाहती हैं निगेटिव रोल

एजेंसी ⏭ मुंबई

कैटरीना कैफ करीब 3 दशक से बॉलीवुड में छाई हुई हैं। इस दौरान उन्होंने ग्लैमरस से लेकर एक्शन भूमिकाएं भी पर्दे पर निभाई हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्म 'मेरी क्रिसमस' के लिए चर्चा में हैं। इतने सालों में कैटरीना अपने फिल्मों के साथ ही अपने निजी जीवन और ग्लैमर के लिए भी चर्चा में रहीं।

अब एक बातचीत में उन्होंने करियर के अलग-अलग दौर में आए बदलावों और उनसे फिल्मों के चुनाव पर पड़े असर पर बात की है। एक बातचीत में कैटरीना ने कहा वह कोई नकारात्मक किरदार निभाना चाहेंगी, लेकिन उस किरदार के वैसा बनने के पीछे वजह होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, ऐसी कई चीजें हैं, जो मुझे उत्साहित करती हैं। मैं एक पीरियड फिल्म करना चाहती हूं, लेकिन जब आप कोई कहानी सुनते हैं, तो आपको उस फिल्म के हिसाब से सोचना होता है। क्या आप इस फिल्म का हिस्सा होना चाहते हैं? क्या आप यह कहानी बताना चाहते हैं? कैटरीना ने कहा कि 20 की उम्र में आप जो व्यक्ति होते हैं, वो आप 30 की उम्र में नहीं होंगे। अनुभवों के साथ आप बदलते हैं, एक व्यक्ति के तौर पर आप विकसित होते हैं। जाहिर है, यह बदलाव आपके चुनाव और आपके काम पर दिखने लगेगा। आखिर में एक कलाकार के तौर पर खुद को जाहिर करने की बात है। यह आजादी की बात नहीं, आत्मविश्वास की बात है। भविष्य में फिल्मों के चुनाव पर उन्होंने कहा कि वह खुद के साथ ईमानदार रहेंगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इसका सबसे अच्छा तरीका है कि मैं खुद के साथ ईमानदार रहूं।

पैसे के लिए नहीं करते फिल्में : ओबेरॉय

मुंबई। विवेक ओबेरॉय की वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' ने हाल ही में अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दी। इसमें वह पुलिस अधिकारी विक्रम बख्शी के किरदार में नजर आए हैं, जिसमें उन्हें पसंद किया जा रहा है। अब अभिनेता ने बॉलीवुड की बजाए साउथ की फिल्मों में काम करने की वजह बताई तो साथ ही कहा कि वह पैसों के लिए काम नहीं करते हैं। उन्होंने रोहित शेट्टी के साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया। विवेक कहते हैं कि वह अब सिर्फ अपने जुनून के लिए ही फिल्में कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "मेरे पास अपनी दाल-रोटी के लिए बहुत से विकल्प है। मेरे कई बिजनेस हैं और मैंने कई इन्वेस्टमेंट भी कर रखी है, जो अच्छी चल रही है। ऐसे में मैं उन्हीं फिल्मों को करता हूं, जिनकी कहानी अलग हो।" विवेक अब उन लोगों के साथ ही काम करना चाहते हैं, जिन्हें वह अपने परिवार की तरह मान सके। एक साक्षात्कार में विवेक ने बताया कि वह रोहित को 'डॉक्टर रोहित शेट्टी' बुलाते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि पुलिस के बारे में निर्देशक ने पीएचडी कर रखी है।

फिल्मफेयर में जाह्नवी लूटेगी महफिल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर फिल्मफेयर अवार्डस के 69वें संस्करण में परफॉर्मेंस देंगी। फिल्मफेयर अवाड्र्स के 69वें संस्करण की मेजबानी इस साल गुजरात कर रहा है। जाह्नवी कपूर इस साल फिल्मफेयर में स्टेज पर परफॉर्म करने वाली हैं। जाह्नवी ने कहा कि इस बार गुजरात में फिल्मफेयर हो रहा है इससे बेहतर जगह फिल्मफेयर अवार्ड समारोह के लिए इस बार नहीं हो सकती है। साल 2018 में स्टारकिड्स ने फिल्म धड़क से इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत की थी। जाह्नवी ने अपने पांच साल के छोटे से करियर में लगभग सात फिल्मों में काम किया है। धड़क से अपनी शुरुआत करने वालीं जाह्नवी ने साल 2020 में घोस्ट स्टोरीज, गुंजन सक्सेना-द कारगिल गर्ल, रूही, गुड लक जैरी, मिली जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी आगामी फिल्म 'बवाल' 21 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

टीवी मसाला

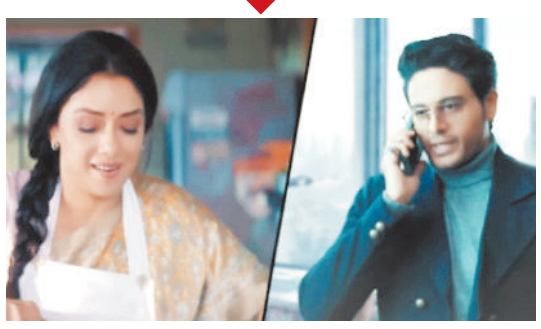

आग में फंसेगी अनुपमा व अनुज को पड़ेंगे दौरे, हाई वोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली। टीवी सीरियल अनुपमा के अपकमिंग एपिसोड में फिर एक बार अनुज कपाड़िया और अनुपमा की मुलाकात का संयोग बनता दिखाई पड़ रहा है। सीरियल के रविवार के एपिसोड में भले ही मेकर्स ने अनुज कपाड़िया से संबंधित कुछ भी नहीं दिखाया गया, लेकिन अपकमिंग एपिसोड में फिर एक बार अनुज और अनुपमा की पहली मुलाकात की उम्मीद बनती दिखाई दे रही है।

रेस्त्रां में आग लग जाने से बुरी फंसेगी अनुपमा : यह तो दर्शकों को पहले से पता है कि अनुपमा के रेस्त्रां 'स्पाइस एंड चटनी' में आग लग जाएगी, और फिर अनुपमा इस सिचुएशन को संभालेगी। यह पूरा घटनाक्रम किस तरह होगा और अनुज कपाड़िया का कनेक्शन इसमें कहां से बनने वाला है यह सब हमें बताया गया है। एपिसोड के आखिर में दिखाए गए प्रोमो वीडियो में दिखाया गया है कि रेस्त्रां में आग लगने के बाद अनु सबसे पहले यशदीप सर को फोन करेगी और उसे बताएगी कि रेस्त्रां में आग लग गई है।

अनुज को आएगा अनुपमा के बारे में यह सपना : प्रोमो वीडियो में आगे दिखाया गया है कि अनुपमा एक-एक करके सभी कर्मचारियों को बाहर भेज देगी और उनसे मदद लाने को कहेगी। अनुपमा खुद रेस्त्रां में रहकर आग बुझाने की कोशिश करती रहेगी और फिर आग बढ़ने के बाद बेहोश भी हो जाएगी। उधर अनुज कपाड़िया को यह अहसास होने लगेगा कि अनुपमा मुसीबत में है। उसे दौरे पड़ने लगेंगे और नींद में ही वो छटपटाने लगेगा। श्रुति और आध्या दौड़कर उसके पास पहुंचेंगे और उसका हाल देखकर घबरा जाएंगे।

हर हाल में अनुपमा को खोज निकालेगा अनुज : श्रुति और आध्या यह देखकर सोच में पड़ जाएंगे कि अनुज कपाड़िया बार-बार अनुपमा का नाम ले रहा है। फैन थ्योरीज की मानें तो अनुपमा की बिगड़ती तबीयत के बारे में सपना देखकर अनुज कपाड़िया और जोर-शोर से अनुपमा की तलाश में निकल पड़ेगा। वह देविका को फोन करने से लेकर रेस्त्रां में तलाश करने तक हर कोशिश करेगा।

सुपर स्टार यश की 'टॉक्सिक' में काम करेंगी श्रुति हासन...

मुंबई। जानीमानी अभिनेत्री श्रुति हासन दक्षिण भारतीय फिल्म स्टार यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' में काम करती नजर आएंगी। हाल ही में यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक का ऐलान हुआ है। इस फिल्म का ऐलान करते हुए मेकर्स ने एक जबरदस्त एनाउंसमेंट टीजर वीडियो जारी किया था। इस फिल्म में श्रुति हासन की एंट्री हो चुकी है। फिल्म का टाइटल, 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' ने दर्शकों के बीच चर्चा कर दी है। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस द्वारा सह-निर्मित, 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' 10 अप्रैल 2025 को रिलीज होगी।

धमाल मचाने को तैयार विद्या की फिल्म 'दो और दो प्यार'

मुंबई। अप्लॉज एंटरटेनमेंट प्रस्तुत एलिप्सिस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की फिल्म दो और दो प्यार 29 मार्च को रिलीज होगी। फिल्म दो और दो प्यार में विद्या बालन, प्रतीक गांधी, इलियाना डीक्रूज और सेंथिल राममूर्ति नजर आएंगे। फिल्म को शीर्ष गुहा ठाकुरता ने निर्देशित किया है, बतौर निर्देशक यह उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म होगी। एलिप्सिस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के तहत बनी फिल्म दो और दो प्यार को अप्लॉज एंटरटेनमेंट प्रस्तुत कर रहा हैं। विद्या को उनके फिल्मी करियर का पहला ब्रेक फिल्म परिणीति में मिला। फिल्म को समीक्षकों द्वारा बेहद सराहना मिली, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई थी।लेकिन इस फिल्म में आलोचकों को विद्या का अभिनय बहुत पसंद आया था। विद्या को इस फिल्म के शाइनिंग स्टार बॉलीवुड के पुरुस्कार से सम्मानित भी किया गया।

रामायण-द लेजेंड ऑफ प्रिंस रामा : फिल्म को आप यूटयूब पर फ्री में देख सकते हैं

पूरा देश राममय, रामायण पर बनीं चुनिंदा फिल्में ओटीटी पर देखें

नई दिल्ली। पूरा भारत इस समय राममय है क्योंकि आज 22 जनवरी अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा है। इस दिन अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उद्घाटन होगा और पूरे भारत में इसको लेकर भक्त उत्सुक हैं। आज 22 जनवरी को लोग अपने घर के पास वाले मंदिरों में भगवान राम की पूजा अर्चना करेंगे और राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को टीवी पर लाइव देखेंगे। सनातन धर्म में रामायण पवित्र ग्रंथ है और इस पर कई धारावाहिक व फिल्में बन चुकी हैं। रामायण पर आधारित कई फिल्में ओटीटी पर रिलीज हुई हैं जिन्हें आपको परिवार के साथ इन्हें देखना चाहिए।

1961 को बनी संपूर्ण रामायण

साल 1961 में बाबुभाई मिस्त्री क निर्देशन में बनी फिल्म संपूर्ण रामायण आई थी। इस फिल्म में एक्टर महीपाल भगवान राम का रोल प्ले किया था। अनीता गुहा ने माता सीता का रोल प्ले किया था। इस फिल्म में हेलन ने शूर्पणखा का रोल अदा किया था। इस फिल्म को आप यूट्यूब पर फ्री में देख सकते हैं।

ब्लैक एंड व्हाइट श्रीराम भक्त हनुमान

साल 1948 में होमी वाडिया के निर्देशन में बनी फिल्म श्री राम भक्त हनुमान आई थी। ये फिल्म ब्लैक एंड व्हाइट थी लेकिन इसे काफी पसंद किया गया था। इसमें एसएन त्रिपाठी ने भगवान राम और सोना चैटर्जी ने माता सीता का रोल प्ले किया था। इस फिल्म को आप यूट्यूब पर फ्री में देख सकते हैं।

आदिपुरुष में प्रभास राम, कृति बनीं सीता

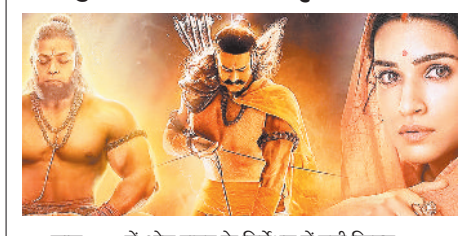

साल 2023 में ओम राउत के निर्देशन में बनी फिल्म आदिपुरुष आई थी। इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार प्रभास ने भगवान राम और बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने माता सीता का रोल प्ले किया था. इस फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर सब्सक्रिप्शन के साथ देख सकते हैं.

रामायण-द लेजेंड ऑफ प्रिंस रामा : साल 1993 में जापानी डायरेक्टर युगो साको के साथ मिलकर बॉलीवुड निर्देशक राम मोहन ने एनिमेशन फिल्म रामायण-द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा बनाई। इस फिल्म में भगवान राम की आवाज अरुण गोविल न दी और रावण की आवाज दिवंगत एक्टर अमरीश पुरी ने दी थी। इस फिल्म को बच्चे और बड़े सभी पसंद करते हैं। फिल्म को आप यूट्यूब पर फ्री में देख सकते हैं।

लव कुश में जितेंद्र राम, जयाप्रदा सीता बनीं थीं

साल 1997 में वी मधुसुधन राव के निर्देशन में बनी फिल्म लव कुश आई थी। इस फिल्म में जितेंद्र ने भगवान राम और जयाप्रदा ने माता सीता का रोल प्ले किया था। वहीं अरुण गोविल ने लक्ष्मण और दारासिंह ने हनुमान जी का रोल प्ले किया था। इस फिल्म को आप जी 5 पर फ्री में देख सकते हैं।

खबर संक्षेप

बाल संत चंद्रमा दास के मुखारविंद से भागवत कथा

पुसौर। हाउसिंग बोर्ड कालोनी स्टेडियम रोड रायगढ में कनिष्ठ अभियंता एस के दुबे के यहां 16 जनवरी से भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का प्रारंभ हो चुका है जिसका समापन 23 जनवरी को होगा। दुबे से लिये जानकारी के मुताबिक अपने माता आषा देवी के मार्गदर्षन में समूचे परिवारजन मिल कर भागवत कथा सुनने की मानसिकता बनाई जिसमें भाई जितेन्द्र कुमार दुबे और राघवेन्द्र दुबे के परिवार जनों सहित अन्य ईश्ट मित्र भी शामिल रहे। शुरूआत कलश यात्रा, मंगलाचरण, श्रीमद भागवत महत्म्य से हुई और क्रमशः कुन्ती स्तुति भीस्म स्तुति सती चरित्र, ध्रुव चरित्र भरत चरित्र प्रहल्लाद चरित्र, गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन, वामन चरित्र, कृष्ण जन्मोत्सव, बाललीला, गोवर्धन पूजा तक प्रसंग जारी है। सोमवार को होने जा रहे रासलीला उद्धव प्रसंग रूक्मिणी विवाह प्रसंग को लेकर परिवार सहित मोहल्ले में एक अध्यात्मिक माहौल बना हुआ है वहीं मंगलवार को सुदामा चरित्र, परिक्षित मोक्ष व्यास पूजन, हवन एवं भण्डारा प्रसाद के साथ एक उल्लासमय वातावरण में कथा संपन्न होगी।

रिटायर शिक्षक के घर में चोरी, तिजोरी ले उड़े चोर

रागयढ़। घरघोड़ा थाना क्षेत्र के वार्ड 11 निवासी सेवा निवृत्त शिक्षक श्रीपति मिश्रा के पुराने घर पर अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। अज्ञात चोरों ने पहले मेन गेट का सांकली कुंदा तोड़कर पूजा कमरे में घुसे जहाँ तिजोरी रखा हुआ था। प्रार्थी के बताए अनुसार अज्ञात चोरों ने पूजा घर मे रखे तिजोरी जिसमे कुछ कागजात और सम्पति रखा हुआ था से भरे तिजोरी को ले उड़े। वही पड़ोसियों के बताये अनुसार उक्त घटना लगभग 20 जनवरी की रात 11 के आसपास बताया जा रहा है। प्रार्थी की सूचना पर थाना प्रभारी शरद चन्द्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुँच कर आगे की कार्यवाही में जुट गए है।

तीन दिवसीय भजन मेले का आयोजन

सारंगढ़। अंचल का रामनामी भजन मेला सारंगढ़ से कोसीर रोड स्थित ग्राम लेंधरा छोटे में रविवार 21 जनवरी से प्रारंभ होकर निरंतर 23 जनवरी तक किया जाएगा। इस मेला में अंचल के रामनामी समाज के प्रमुख और उनके अनुयायी उपस्थित रहेंगे। कलेक्टर केएल चौहान के निर्देश पर स्थल पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पेयजल आपूर्ति के लिए नलकूप का खनन किया गया है। विगत दिनों सारंगढ़ विकासखंड में मकर संक्रान्ति मेला जसपुर और सुलोनी मेला के दौरान महिलाओं के हुए गहनों की चोरी को ध्यान में रखते हुए महिलाओ और किशोरियों से अपील है कि वे मेला और भीड़ में गहनों को पहनकर नही जाए और पर्सए मोबाइल सहित अन्य प्रकार की चोरी से सतर्क रहें। चोरी से बचने के लिए नागरिक के स्वयं कर्तव्य का पालन करें।

एक घंटे की बारिश ने खोली प्लेटफार्म के शेड मरम्मत की पोल

रायगढ़। शनिवार की देर शाम हुई मूसलाधार बारिश ने रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 के शेड मरम्मत की पोल खुल गई। इस मरम्मत कार्य किस तरह लापरवाही बरती गई है, यह एक घंटे की बारिश में स्पष्ट हो गया। एक घंटे की मूसलाधार बारिश से यह किसी झरने से कम नहीं लग रहा था। गौरतलब है कि कुछ माह पहले ही कोड़ातराई में पीएम के कार्यक्रम सहित डीआरएम और अन्य उच्चाधिकारियों के निरीक्षण को देखते हुए प्लेट फार्म के जर्जर हो चुके शेड को बदला गया था, वहीं ऐसी ही कुछ अन्य शेड की मरम्मत भी कराई गई थी। किंतु अहम बात यह रही कि मरम्मत कार्य के दौरान इन शेड को सही तरह से फिट नहीं किया गया था। ऐसे में इसमें कई जगह पर गैप नजर आ रहे थे। इस दौरान कार्यरत कर्मचारियों से जब हरिभूमि की टीम ने पूछा था, तब उन्होंने इसे पूरी तरह से पैक कर मरम्मत करने और शेड की मरम्मत के बाद बारिश के पानी का रिसाव नहीं होने का दावा किया था। किंतु शनिवार की देर शाम हुई बारिश ने रेलवे प्रबंधन व उनके अधिकारी व कर्मचारियों के दावे को पोल खोल कर रख दी। ध्यान देने वाली बात यह है कि शुक्रवार को ही डीआरएम और वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रेलवे स्टेशन में चल रहे कार्यो का निरीक्षण किया था।

महिला सशक्तिकरण के लिए जेएसपी ने शुरू की नारी शक्ति योजना

सक्षम और प्रशिक्षित होकर उद्योगों में रोजगार प्राप्त करेंगी महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

नारी शक्ति योजना अंतर्गत महिलाओं के प्रशिक्षण हेतु तैयार की गई टीम।

जिंदल स्टील एंड पॉवर के रायगढ़ संयंत्र ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। जेएसपी ने नारी शक्ति योजना शुरू की है, जिसके तहत ऐसे कार्यक्षेत्र जो पारंपरिक तौर पर पुरुष प्रधान रहे हैं, उनमें महिलाओं को भी काम का समान अवसर दिया जाएगा। पहले चरण में जेएसपी में क्रेन ऑपरेटर के पद को चुना गया। अब तक इस काम में महिलाओं की संख्या शून्य थी। योजना के तहत में 20 महिलाओं को क्रेन ऑपरेटर के लिए चुनकर उनका प्रशिक्षण भी शुरू कर लिया गया है। भविष्य में और भी ऐसे ही पदों को चिन्हांकित कर महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे लैंगिक समानता के साथ ही समावेशी कार्य संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

सभी क्षेत्रों में महिलाओं को काम के समान अवसर उपलब्ध कराने उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और उनके प्रोत्साहन के लिए जेएसपी ने नारी शक्ति योजना के तौर पर अभूतपूर्व पहल की है। योजना के तहत ऐसे कार्यक्षेत्रों को चुनकर वहां काम के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। चयनित महिलाओं को इस काम के लिए तकनीकी प्रशिक्षण भी कंपनी द्वारा ही उपलब्ध कराया जाएगा। तकनीकी कौशल के साथ ही उन्हें व्यावहारिक अनुभव, सुरक्षा प्रोटोकॉल, क्रेनकृमशीनरी की जानकारी भी मिलेगी। एक साल की इस प्रशिक्षण अवधि के दौरान अप्रेंटिस के तौर पर उन्हें मानदेय व अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।

योजना के पहले चरण में जेएसपी ने क्रेन ऑपरेटर के पद का चयन किया। इस पद पर पारंपरिक तौर पर पुरुष कर्मचारी ही कार्यरत थे। कंपनी ने आसपास के क्षेत्र और गांवों से युवा महिलाओं से आवेदन आमंत्रित किए। साथ ही उनके समूह में जाकर इस बारे में जानकारी देने के लिए काउंसिलिंग भी की। नतीजा यह रहा कि महिलाओं ने योजना के प्रति अच्छा उत्साह दिखाया। मिले हुए आवेदनों की स्क्रूटनी करके पात्र आवेदकों का साक्षात्कार किया गया। इसमें चयनित 20 महिलाओं को क्रेन ऑपरेटर का प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है। उन्हें अप्रेंटिस के तौर पर नियुक्ति प्रदान कर मानदेय और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। एक वर्ष की प्रशिक्षण अवधि सफलतापूर्वक पूरी होने के बाद ये महिलाएं आगामी 1 जनवरी 2025 से क्रेन ऑपरेटर के रूप में अपनी सेवाएं दे सकेंगी।

डिलीवरी के बाद प्रसूता के पेट में छोड़ा कपड़ा, चार दिन बाद निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

शहर के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। एक गर्भवती महिला मेडिकल कॉलेज में डिलीवरी के लिए भर्ती हुई थी। जिसका नॉर्मल डिलीवरी हुआ। फिर उसे डिलीवरी के अगले दिन अस्पताल से छुट्टी दे दिया गया, लेकिन जो कॉटन कपड़ा लगाया था उसे निकालना भूल गए, ऐसे में घर पहुंचते ही महिला के पेट में दर्द होना शुरू हो गया। महिला को तीन दिनों तक यूरीन नहीं हुआ और लगातार पेट में दर्द हो रहा था। ऐसे में परेशान होकर परिजनों ने उसे प्राईवेट अस्पताल में भर्ती कराया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने शरीर के एक अंग में फंसे कॉटन बाहर निकाला।

तब जाकर महिला को यूरीन हुआ। मामले में मेडिकल कॉलेज प्रबंधन इससे इंकार कर रहा है। जानकारी के अनुसारए बालमगोड़ा निवासी एक गर्भवती महिला को 9 जनवरी को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। भर्ती करने के बाद डॉक्टरों ने 10 जनवरी को नॉर्मल तरीके से डिलीवरी कराया। नार्मल डिलीवरी के बावजूद थोड़ा सर्जरी कर टांका लगाना पड़ा। जहां डॉक्टरों ने कॉटन, कपड़ा लगाया था। इस कपड़े को 24 घंटे बाद निकाला जाता है, मगर डॉक्टरों ने ऐसा नहीं कियाए 11 जनवरी को महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दिया गया, घर जाने के बाद महिला को यूरीन की समस्या होने लगी। 3-4 दिनों तक महिला दर्द से तड़प रही थी। ऐसे में परेशान होकर 14 जनवरी को महिला को प्राईवेट अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने कॉटन नहीं निकालने की जानकारी दी। जिसके कारण यूरीन नहीं हो पा रहा था। डॉक्टरों ने माइनर सर्जरी कर कॉटन, कपड़े को बाहर निकाल कर साफ किया।

स्टाफ से पूछताछ की जाएगी

डिलीवरी के बाद कॉटन डाला जाता है तो पेपर में लिखा जाता है। मरीज को इसकी जानकारी दी जाती है कि उसे निकलवा कर ही घर जाए। कागजात में कहीं इसका उल्लेख नहीं है। इस संबंध में स्टाफ से न पूछताछ की जाएगी।

- डॉ. टीके साहू
एचओडी गायनिक मेकाहारा

वायुसेना के सार्जेंट और कार्पोल से कलेक्टर की मुलाकात

सारंगढ़। कलेक्टर केएल चौहान से कलेक्टोरेट कक्ष में वायुसेना भोपाल के सार्जेंट राकेश कुमार चौबे और कार्पोल सोवन जेना ने मुलाकात किया। श्री चौहान ने अधिकारियो से वायुसेना भर्ती के संबंध में जानकारी लिया और जिले के अधिकारियों को सभी स्कूल, कालेजों आईटीआई में

सेमीनार कर युवाओं को प्रेरित करने

कहा। श्री चौहान को सार्जेंट चौबे और कार्पोल सोवन जेना ने जानकारी दी कि सारंगढ़ आईटीआई केंद्र चंदाई में युवाओं का अग्निवीर भर्ती कैरियर मार्गदर्शन किया गया। इस अवसर पर आईटीआई के प्रशिक्षण अधिकारी गणेश अनंत और मनोहर राम पटेल उपस्थित थे।

अग्निवीर वायु सैनिक भर्ती आवेदन 6 फरवरी तक

सारंगढ़। जिले में वायुसेना में युवाओं को शामिल करने के उद्देश्य से सेमीनार का आयोजन किया गया। वायुसेना भोपाल के सार्जेंट राकेश कुमार चौबे और कार्पोल सोवन जेना द्वारा सारंगढ़ के आईटीआई केंद्र चंदाई में युवाओं का अग्निवीर भर्ती कैरियर मार्गदर्शन दिया गया। भारतीय वायुसेना भर्ती द्वारा छग राज्य के केवल अविवाहित महिला एवं पुरूष आनलाईन आवेदन 6 फरवरी तक कर सकते हैं। अग्निवीर वायु सैनिक के पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाईन परीक्षा की तिथि 17 मार्च को आयोजित की जाएगी। ऑनलाईन परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवार 6 फरवरी तक वायुसेना के वेबसाईट अग्निपथवायु डॉट सीडीएसी डॉट इन में जाकर पंजीयन कर सकते हैं।

हत्या का आरोपी दोषमुक्त साबित

घरघोड़ा। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय व्यवहार न्यायालय तथा तहसील न्यायालय में वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे अधिवक्ता राकेश बेहरा ने हत्या के मामले में आरोपी सुरेंद्र रविदास निवासी रूड़ुकेला थाना लैलूंगा को न्यायालय से न्याय दिलाने में सफलता हासिल की है। घटना की घटना में एक आदमी का शव बरामद हुआ था जिसमें आरोपी के रूप में सुरेंद्र रविदास को पुलिस ने संलिप्त मानकर उसे गिरफ्तार किया था, उसके पश्चात अतिरिक्त सत्र न्यायालय में विचारण चला था, उक्त प्रकरण की अदालती लड़ाई लड़ते हुए 302 के आरोपी सुरेंद्र रविदास को अधिवक्ता राकेश बेहरा ने जिला एवं सत्र न्यायालय से बाइज्जत बरी करवाने में अंततः सफलता हासिल की। उल्लेखनीय है कि अधिवक्ता राकेश बेहरा जिनकी छवि एक जुझारू अधिवक्ता के रूप में दूर-दूर तक चर्चित है।

एनएसएस के शिविर में साइबर क्राइम और नशामुक्ति की जानकारी

रायगढ़। थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक शरद चन्द्रा द्वारा ग्राम औराईमुड़ा में लगे एनएसएस कैम्प में छात्र छात्राओ एवं ग्रामवासियों को सड़क सुरक्षा मितान नशा मुक्ति, साइबर अपराध, महिला संबंधी विविध अपराधों एवं बचाव के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया।

साथ ही साइबर अपराधों की जानकारी देकर नशे की लत से दूर रहने के संबंध में बताया गया। उन्होंने कहा कि जीवन अनमोल है हमारा दायित्व है कि हम स्वयं के साथ साथ परिजनों की भी रक्षा करें। देश में सड़क दुर्घटना से हो रही मौतों पर नागरिकों को गंभीर होकर यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। यातायात नियमों का पालन करने में छात्र छात्राओं की बेहद अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं और अपने अभिभावकों को तेज गति में वाहन चलाने ना देंए दुपहिया चालक हेलमेट का प्रयोग करें और चार पहिया में सीट बेल्ट लगावें और अच्छे नागरिक का कर्तव्य निभाते हुए घायलों की मदद करें। थाना प्रभारी ने छात्र.छात्राओं और उपस्थित ग्रामीणों को साइबर ठगी के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में भी साइबर क्राइम से धोखाधड़ी के केस ज्यादा आ रहे हैं। साइबर क्राइम करने वाले आमजन को प्रलोभन या कोई डर दिखाकर निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपने खाते की जानकारी, आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम किसी अंजान व्यक्ति के साथ शेयर ना करें। इसके अलावा अनजान लोगों के फ्रेंड रिक्वेस्ट तथा अन्य आनलाइन संपर्क की पडताल को भी जरुरी बताया।

युवा महोत्सव के लिए बोधराम का चयन

घरघोड़ा। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा महोत्सव का नाशिक महाराष्ट्र में 12 जनवरी से 16 जनवरी तक आयोजन हो रहा था। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के लिए भारत के अलग अलग राज्यों के रासेयो स्वयं सेवक हिस्सा लिए थे। राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए शहीद नंद कुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ छग के डॉ. भंवर सिंह पोर्ते महाविद्यालय घरघोड़ा जिला रायगढ़ छग से राष्ट्रीय सेवा योजना का एवं छत्तीसगढ़ का नेतृत्व करने के लिए चुना गया था। राष्ट्रीय युवा महोत्सव कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराना साथ ही देश कि आर्थिक सामाजिक विकास में उनका योगदान सुनिश्चित करना है। बोधराम चौहान लगातार 5.6 वर्षों से राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर निरंतर सेवा करते आ रहे है। बोधराम चौहान यूनिट के सभी कार्यक्रमों में भाग लेते है और लोगों को स्वच्छता, समानता, फीट इंडिया, महिला सशक्तिकरण, रक्त दान और पर्यावरण के प्रति जागरूक करते रहे हैं। सभी ने बोधराम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

खाद की उपलब्धता व अमानक कीटनाशक की निगरानी के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

रायगढ़। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने कृषि, बीज निगम, उद्यानिकी, पशुपालन एवं वन विभाग की संयुक्त बैठक ली। उन्होंने कहा कि जिले के लिए कृषि महत्वपूर्ण है, विभाग फसल विस्तार एवं फसल विविधता पर विशेष रूप से फोकस कर विभागीय अधिकारी फील्ड में उतरकर कार्य करें। जिससे जिले में फसल विविधता एवं पैदावार में वृद्धि होने के साथ ही किसानों को लाभ मिल सके। बैठक में सीईओ जिला पंचायत जितेन्दर यादव, डीएफओ रायगढ़ सुश्री स्टायलो मण्डावी, डीएफओ धरमजयगढ़ अभिषेक जोगावत सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

- कलेक्टर ने ली कृषि, पशुधन, वन और उद्यानिकी की बैठक

कलेक्टर श्री गोयल ने आगामी रबी फसल के लिए गेहूं, रागी, दलहन, तिलहन बीज एवं क्षेत्राच्छादन की जानकारी लेते हुए क्षेत्र विस्तार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फसल विविधता होनी चाहिए, इसके लिए किसानों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने बीज, भंडारण वितरण की जानकारी लेते हुए कहा कि वितरण शत प्रतिशत होनी चाहिए। उन्होंने कृषि अधिकारियों को औसत पैदावार बढ़ाने पर कार्य करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने बीज एवं उर्वरक उपलब्धता की जानकारी लेते हुए यूरिया, डीएपी, पोटास के साथ बीज के पर्याप्त भंडारण की निर्देश दिए। साथ ही किसानों को सही समय में उर्वरक वितरण कराना सुनिश्चित करें, जिससे किसानों को अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने उर्वरक निरीक्षकों को उर्वरक उपलब्धता के निरीक्षण करने तथा

रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री गोयल ने कीटनाशी गुणवत्ता नियंत्रण पर समीक्षा करते हुए सख्त निर्देश दिए कि जिले में अमानक, मिलावटी कीटनाशक नहीं बिकनी चाहिए, इसके लिए नियमित निरीक्षण कर अमानक पाए जाने पर कार्यवाही करें। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा करते हुए ई केवाईसी के अंतर्गत आधार सीडिंग एवं लैंड सीडिंग के कार्य को एक माह में शत प्रतिशत करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने केसीसी निर्माण हेतु ग्रामवार कैंप लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने फसल बीमा की समीक्षा करते हुए कहा की फसल बीमा किसानों के लिए महत्वपूर्ण है इससे फसल खराब होने की स्थिति में किसानों को आर्थिक संकट से बचाया जा सकता है। कलेक्टर श्री गोयल ने मछली पालन विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मत्स्य बीज संवर्धन मत्स्यए मत्स्याखेट हेतु जालए नाव वितरण जैसी विभिन्न योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने जिले के बिरहोर क्षेत्रों के तालाबों में मत्स्य संवर्धन हेतु निर्देशित किया।

उन्होंने फुटकर मछली विक्रय योजना अंतर्गत योजना से लाभान्वित हितग्राहियों को ट्रेस करने के निर्देश दिए ताकि अन्य हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल सके। कलेक्टर गोयल ने जिले के जलाशय में केज कल्चर में वृद्धि करने हेतु निर्देशित किया। समीक्षा के दौरान उन्होंने आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों के जलाशयों में मछली बीज संवर्धन के लिए डीएफओ धरमजयगढ़ को समूह एवं जलाशय चयन करने के निर्देश दिए ताकि वे मत्स्य सेवन से प्रोटीन प्राप्त करने के साथ वे इसका व्यावसायिक उपयोग कर सके।

कृमि मुक्ति दिवस पर दिया गया प्रशिक्षण

रायगढ़। सीएमएचओ डॉ.आरएन मण्डावी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन जिला अंतर्गत रायगढ़ शहरी क्षेत्रों में 10 फरवरी से आयोजित होने वाली आईडीए दवा सेवन एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस गतिविधि क्रियान्वयन हेतु शहरी मितानिनों का प्रशिक्षण का आयोजन आरोग्य सभाकक्ष, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, रायगढ़ में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में शहरी कार्यक्रम प्रबंधक, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, रायगढ़ द्वारा फाईलेरिया उन्मूलन गतिविधि के अंतर्गत 10 से 22 फरवरी 2024 तक आईडी, दवा सेवन एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के दौरान सभी योग्य व्यक्तियों को अपने समक्ष डाट पद्धति के अनुरूप दवा सेवन कराने के बारे में जानकारी दिया गया। प्रशिक्षण में फाइलेरिया हाथीपांव बीमारी होने के कारण, बीमारी की जटिलताएं एवं उससे बचाव हेतु दवा सेवन उम्र के अनुसार, डोज पोल के बारे में बताया गया। उक्त कार्यक्रम में शहरी क्षेत्र के क्षेत्र समन्वयक मितानिन व प्रशिक्षक मौजूद रहे।

मठ, मंदिरों और तीर्थ स्थल की हुई सफाई

सारंगढ़। जिले में प्रत्येक शनिवार को सफाई अभियान का आरंभ 13 जनवरी को कलेक्टर केएल चौहान ने शुरू किया था। इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए परियोजना निदेशक पंचायत हरिशंकर चौहान के नेतृत्व में बिलाईगढ़ क्षेत्र में महानदी किनारे बसे गांव जैतपुर में सफाई अभियान किया गया। कलेक्टर श्री चौहान के निर्देश पर 22 जनवरी को भगवान श्रीराम के अयोध्या में मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर जिले के महानदी किनारे बसे गांवों के ग्रामीणों और अन्य इच्छुक भक्त के द्वारा दीपदान किए जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसी प्रकार नगर पंचायत बिलाईगढ़ में सीएमओ मनीष गायकवाड के नेतृत्व में बिलाईगढ़ के

मंदिर परिसर को तीर्थ स्वच्छ अभियान के तहत सफाई किया गया। सीएमओ राजेश पांडेय के नेतृत्व में सारंगढ़ के बड़े मठ और छोटे मठ मंदिर का सफाई किया गया।

सिंचाई पंप कनेक्शन के लिए अनुदान की घोषणा, विभं को लाइन विस्तार के निर्देश

रायगढ़। राज्य शासन द्वारा कृषि कार्य हेतु सिंचाई पम्पों के ऊर्जीकरण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए है। जिसके तहत विद्युत लाईनों के विस्तार के लिए किसानों के सिंचाई पंप कनेक्शन एवं जल संसाधन विभाग द्वारा निर्मित एनीकट तथा राज्य में नदी.नालों के किनारे पम्पों के लिये आवश्यक विद्युत लाइन की स्थापना के लिए प्रति पंप 01 लाख रुपए का अनुदान दिया जाता है। छग स्टेट पाडि स्टीकं लिमि रायगढ़ के अधीक्षण यंत्री वृत्त ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु राज्य में 56 हजार पंपों के विस्तार कार्य का लक्ष्य निर्धारित है। रायगढ़ जिले हेतु राज्य शासन द्वारा माह जुलाई 2023 की स्थित में औपचारिक्तापूर्ण लंबित 2001 पंपों के विस्तार कार्य का लक्ष्य निर्धारित है। जिसके विरुद्ध 12 जनवरी तक 354 पंपों के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। शेष पंपों के कार्य प्रगति पर है जिसे आगामी 31 मार्च तक पूर्ण किया जाना लक्षित है।

3 दुकानों से 440 लीटर अवैध डीजल जब्त

रायगढ़। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुसौर पुलिस व साइबर सेल की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 3 दुकानों में दबिश देकर करीब 440 लीटर अवैध शराब जब्त किया गया है। वहीं दुकान संचालकों को नोटिस प्रेषित कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

- डीजल की अवैध खरीदी-बिक्री पर पुसौर पुलिस व साइबर सेल की बड़ी कार्रवाई

मिली जानकारी के अनुसार विगत कुछ दिनों से पुसौर थाना क्षेत्र और आसपास के ईलाको में भारी वाहन चालकों से सस्ते दामों में डीजल खरीदकर अवैध रूप से बिक्री की सूचनाएं मिल रही थी। मुखबिर से पुसौर क्षेत्र में तस्दीक की गई। जहां, चाय ठेला, पान ठेला और गुमटीनुमा दुकान की आड़ में चोरी की डीजल विक्रय किए जाने की जानकारी मिली। जिसके बाद साइबर सेल और पुसौर पुलिस की टीम द्वारा ग्राम रेबार के संतोष नारंग के दुकान, ग्राम सुपा के राम प्रसाद के पान ठेला और ग्राम सुपा मेन रोड पर डूमर साय के चाय ठेले में दबिश दिया गया। संतोष नारंग निवासी सुपा पुसौर के कब्जे में 130 लीटर अवैध डीजल, ग्राम सुपा के राम प्रसाद के पास 160 लीटर अवैध डीजल तथा ग्राम सुपा के डूमर साय के कब्जे में 150 लीटर अवैध डीजल खाली ड्रम और डीजल नापने का चाडी, केन मिला। पुसौर पुलिस द्वारा डीजल संग्रहण, विक्रय के संबंध में तीनों व्यक्तियों को नोटिस देकर अनावेदक पर थाना पुसौर में धारा 102 सीआरपीसी के तहत कार्यवाही की गई। तीनों कार्यवाही में अनावेदकों से कुल 440 लीटर अवैध डीजल, खाली ड्रम, तेल नापने का टीना का केन, प्लास्टिक चाडी की जप्ती कर थाने में रखा गया है।